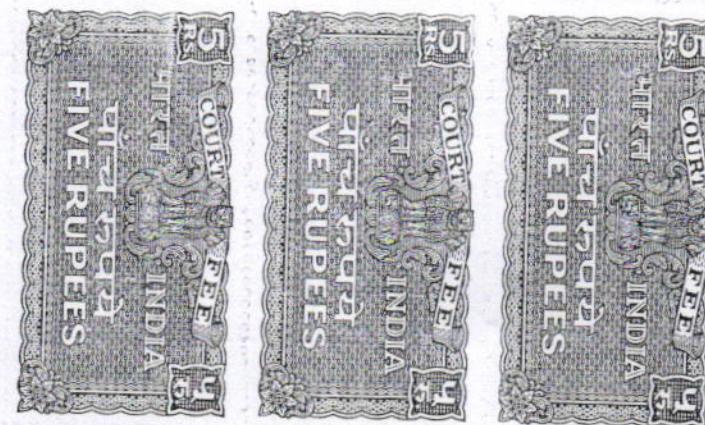


(15)



न्यायालय राजस्व मन्डल म.पू.

प.क्र. ५४१-III/१९८ नि.

परिचालन क्र. ५४०६४/
प.क्र. ५४१-वीना/१९८

११-३१८
११-३१८
११-३१८

गोपालसिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह ५४५
निवासी ग्राम धमना तह. निवाड़ी
जिला टीकमगढ़ - प्राथी

विस्तृद

- १- पूरनसिंह पुत्र भावसिंह ठाकुर
- २- भीकमसिंह पुत्र परनसिंह ठाकुर
- ३- मोहनसिंह पुत्र गजराज सिंह ठाकुर
निवासीगण- ग्राम धमना तहसील
निवाड़ी जिला टीकमगढ़.

—प्रतिपादी

निगरानी विस्तृद आदेश अपर आयुक्त सागर संभाग आदेश
दिनांक १०.६.९७ पारित प्र.क्र. ६३-बी/१९९४-९५ अपील
निगरानी अन्तर्गत धारा ५० रे.को.

श्रीमान्,

निगरानी प्राथी निम्न आधारों पर प्रस्तुत है :-

१११ यहकि, अधिनस्थ न्यायालय का आदेश विधि एवं रिकार्ड के विपरीत तथा अनुचित होने से निरसन योग्य है।

११२ यहकि, विवादित बूमि क्रमांक को प्राथी क्रमांक-३ ने प्राथी के द्वित ऐ विक्रय कर दिया है और इस पर प्राथी का अधिकार एवं स्वामित्व है ऐसी अवस्था में प्राथी को पक्षकार बनाये बिना प्राथी के द्वितों के प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई भी आदेश पारित करना न्याय और विधि दोनों के विपरीत है।

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

२

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी-481-तीन/1998

गोपालसिंह विरुद्ध पूरनसिंह

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारी एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
18-12-2018 <i>AB</i>	<p>1. प्रकरण प्रस्तुत। आवेदक गोपालसिंह की ओर से अभिभाषक श्री ओ.पी. शर्मा एवं अनावेदक पूरनसिंह की ओर से अभिभाषक श्री के.के. द्विवेदी उपस्थित।</p> <p>2. आवेदक अभिभाषक ओ.पी. शर्मा द्वारा बताया गया कि प्रकरण वर्ष 1998 से प्रचलित है। पक्षकार की ओर से प्रकरण आगे संचालित (Continue) करने के निर्देश नहीं दिये गये है इसीलिये प्रकरण चलाने में उनकी कोई रुचि नहीं है। अनावेदक अभिभाषक ने भी इस पर अपनी सहमति दी है। अतः उभय पक्ष की सहमति के आधार पर यह प्रकरण इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है।</p>	<i>Imp. 18.12.18</i> (आर.के जैन) सदस्य